**आजा कलयुग में लेके अवतार ओ गोविन्द | Aaja Kalyug Me Leke Avtaar O Govind Lyrics**

आजा कलयुग में लेके अवतार ओ गोविन्द

अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।

यमुना का पानी तोसे करता सवाल है

तेरे बिना देख जरा कैसा बुरा हाल है

काहे तूने तोड़ लिया प्यार ओ गोविन्द

अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।

निकला है सवा मन सोना जिस कोख से

गाये बिचारि मरे बिना चारे बिना भूख से

गैय्या को दिया दुत्कार ओ गोविन्द

तेरे भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।

घर घर में माखन की जगह शराब है

कलयुगी गोपिया तो बहुत ही ख़राब है

धर्म तो बन व्यापार ओ गोविन्द

अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।

अब किसी द्रोपती बचती ना लाज रे

बिगड़ा जमाना भए उलटे ही काज रे

कन्सो की बनी सरकार ओ गोविन्द

अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।

आजा कलयुग में लेके अवतार ओ गोविन्द

अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द ।

**allbhajan.com**